DR. MAYA TANDON

Dr. Maya Tandon is the founder chairperson of the erstwhile trust named Dr. M.N. Tandon Memorial Charitable Trust, presently known as the "Sahayta" which specializes in training laypersons/first responders in the Emergency Medical Care (EMC), on Road Safety.

2. Born on 20th February 1937 in Ajmer, Rajasthan, Dr. Tandon received her M.B.B.S. degree from the University of Rajasthan in 1961, DA Anaes. in 1968 and MS Anaes. from SMS Medical College, Jaipur in the year 1972. She received the Commonwealth Medical Fellowship in Pediatric Anesthesia at Royal Liverpool Children's Hospital, United Kingdom. While there, she utilized the opportunity to closely observe the training of the public as first responders by the NHS (National Health Service) of the UK for the resuscitation of severely injured road accident victims. This exposure laid the foundation for her groundbreaking work in this field in the future.

3. Dr. Tandon worked as a Senior Professor, Head of the Department of Anesthesiology, and Superintendent of J.K. Lon Hospital, SMS Medical College, Jaipur, Rajasthan. Over the past three decades, she has been working steadfastly towards her goal of minimizing Road Traffic Accident (RTA) induced mortality rates. After her superannuation in 1995, Dr. Tandon established the Dr. M.N. Tandon Memorial Charitable Trust (Sahayta) in the same year, and started working with a mission of saving lives of Road Traffic Accident (RTA) victims in India. She also formulated a Basic Life Saving (BLS) Course based on the knowledge gleaned from the AHA and European Resuscitation Council (ERC) guidelines. She has been continuously updating these guidelines to keep them on par with international standards. She played an instrumental role in the recognition of Life Safety as a crucial component of Post Accident Care. Sahayta was registered in January 2014 and today, it has a huge team of dedicated professionals conducting hands-on training courses for the lay public to reduce the rising Road Accident Mortality, Morbidity, and Disability (DALY's) numbers in the country.

4. Dr. Tandon has been a Member of the National Road Safety Council (2016-2018) by the Ministry of Road Transport and Highways, GOI, and is an active voice in the Rajasthan State Road Safety Council, and Rajasthan Road Safety Policy since its inception years ago. She also served as the President of Rajasthan University Women's Association (RUWA) from 2004-2006, run by Ministry of Human Resources Development, GOI. At the advanced age of 87 years, Dr. Maya Tandon continues to work tirelessly to realize her dream of minimizing road accident fatalities.

5. Dr. Tandon was awarded the 4th National Road Safety Council Award in 2004, IRTE Prince Michael International Road Safety Award in 2006, the District Road Safety Award by the Government of Rajasthan 2006, awarded with the Lifetime Achievement Award in 2013, the "Influential and Excellence Award for NGOs working in Road Safety" by the Indian Road Safety Campaign (IRSC) at IIT Delhi in 2019.

डॉ. माया टंडन

डॉ. माया टंडन "सहायता" नामक ट्रस्ट की संस्थापक अध्यक्ष हैं। पहले इस ट्रस्ट का नाम डॉ. एम.एन. टंडन मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट था। यह ट्रस्ट सड़क सुरक्षा पर आपातकालीन चिकित्सा देखभाल (ई.एम.सी.) में आम लोगों/प्रथम रिस्पॉन्डर को प्रशिक्षण देने में विशेषज्ञ है।

2. 20 फरवरी 1937 को अजमेर, राजस्थान में जन्मी, डॉ. टंडन ने 1961 में राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.बी.बी.एस.,1968 में एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से डीए एनेस्थीसिया और वर्ष 1972 में एमएस एनेस्थीसिया की डिग्री प्राप्त की। उन्हें यूनाइटेड किंगडम के रॉयल लिवरपूल चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में पीडियाट्रिक एनेस्थीसिया में कॉमनवेल्थ मेडिकल फेलोशिप प्राप्त हुई। वहां रहते हुए, उन्होंने गंभीर रूप से घायल सड़क दुर्घटना पीड़ितों का जीवन बचाने के लिए यूके के एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) द्वारा प्रथम रिस्पॉन्डर के रूप में जनता के प्रशिक्षण को बारीकी से देखने के अवसर का लाभ उठाया। इस अनुभव ने भविष्य में इस क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व कार्य की नींव रखी।

3. डॉ. टंडन ने जे. के. लोन हॉस्पिटल, एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर, राजस्थान के एनेस्थिसियोलॉजी विभाग की प्रमुख,वरिष्ठ प्रोफेसर, और अधीक्षक के रूप में काम किया। पिछले तीन दशकों से, वह सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर को कम करने की दिशा में निरंतर काम कर रही हैं। 1995 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद,डॉ. टंडन ने उसी वर्ष डॉ. एम.एन. टंडन मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट (सहायता)की स्थापना की और एक मिशन के रूप में, भारत में सड़क दुर्घटना पीड़ितों की जान बचाने का काम करना शुरू किया। उन्होंने एएचए और यूरोपियन रिससिटेशन कौंसिल (ईआरसी) के दिशानिर्देशों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक बेसिक लाइफ सेविंग (बीएलएस) पाठ्यक्रम भी तैयार किया। वह इन दिशानिर्देशों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लगातार अद्यतन करती रही हैं। उन्होंने दुर्घटना के बाद देखभाल के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में जीवन सुरक्षा की मान्यता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहायता को जनवरी 2014 में पंजीकृत किया गया था और आज, इसके पास देश में बढ़ती सड़क दुर्घटना मृत्यु दर, रुग्णता और विकलांगता की संख्या कम करने के लिए आम जनता के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने वाले समर्पित पेशेवरों की एक विशाल टीम है।

4. डॉ. टंडन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद (2016–2018) के सदस्य रही हैं, और वर्षों पहले इसकी स्थापना के बाद से राजस्थान राज्य सड़क सुरक्षा परिषद और राजस्थान सड़क सुरक्षा नीति में इनकी एक सक्रिय भूमिका है। उन्होंने 2004–2006 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ की अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। डॉ. माया टंडन 87 वर्ष की आयु में भी सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी का अपना सपना साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

5. डॉ. टंडन को 2004 में चौथे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद पुरस्कार, 2006 में आईआरटीई प्रिंस माइकल अंतरराष्ट्रीय सड़क सुरक्षा पुरस्कार, 2006 में राजस्थान सरकार द्वारा जिला सड़क सुरक्षा पुरस्कार, 2013 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, 2019 में आईआईटी दिल्ली में भारतीय सड़क सुरक्षा अभियान द्वारा ''सड़क सुरक्षा के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के लिए प्रभावशाली और उत्कृष्टता पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।